



न्यूज़बीफ

फ्रेंच ओपन: फाइनल में पहुंची पीवी सिंधू, खिताबी मुकाबले में विश्व नंबर-1 एन से रंग से होगी मिड़त

पेरिस। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने फ्रेंच ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है।



खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने जापान की हिना अकेची को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-10, 20-22, 21-16 से हराया। अब खिताब के लिए उनका सामना दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर-1 खिलाड़ी एन से रंग से होगा। 31 व्षीय सिंधू ने एक घंटे 13 मिनट तक चले मुकाबले में शानदार धैर्य और अनुभव का परिचय दिया। इस साल यह उनका दूसरा सुपर 750 फाइनल है। इससे पहले उन्होंने जुलाई में जापान ओपन का खिताब अपने नाम किया था। पहला गेम जीतने के बाद दूसरे में चुकी सिंधू मुकाबले की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। स्कोर 4-4 और फिर 8-8 से बराबर रहा। हालांकि, सिंधू ने ब्रेक तक 11-9 की बढ़त बना ली। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने आक्रामक खेल दिखाते हुए अंतिम 12 में से 11 अंक जीते और पहला गेम 21-10 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जापान की हिना अकेची ने शानदार वापसी की।

साल 2027 विश्वकप को देखते हुए बुमराह का ध्यान रखे टीम प्रबंधन : शास्त्री

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप कप के लिए



भारतीय टीम के रोडमैप पर अपनी महत्वपूर्ण राय रखी है। उन्होंने विशेष रूप से टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड प्रबंधन को लेकर सलाह दी है। शास्त्री का मानना है कि जसप्रीत बुमराह को 2027 विश्व कप तक तीनों फार्मेट में लगातार खेलने से बचना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि बुमराह को मुख्य रूप से टेस्ट क्रिकेट पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए, क्योंकि यह खेल का सबसे कठिन और शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण प्रारूप है, जो एक तेज गेंदबाज के कौशल और सहनशक्ति की असली परीक्षा लेता है। वहीं, एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्हें केवल जरूरत पड़ने पर ही शामिल किया जाए ताकि उनकी फिटनेस और फार्म बनी रहे और वे चोटों से दूर रहें। पूर्व कोच ने विशेष रूप से न्यूजीलैंड में होने वाले दो महत्वपूर्ण टेस्ट मैचों का जिक्र किया, जहां बुमराह की भूमिका टीम के लिए बेहद निर्णायक साबित होगी। न्यूजीलैंड की पिचें अक्सर तेज गेंदबाजों के लिए मददगार होती हैं और वहां बुमराह की उपस्थिति भारतीय टीम को एक मजबूत बढ़त दिला सकती है। शास्त्री ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण बेंचमार्क होगा। यह दौरा टीम को अपनी क्षमताओं को आंकने का मौका देगा, खासकर जब दक्षिण अफ्रीका 2027 में एकदिवसीय वर्ल्ड कप की मेजबानी करने वाला है क्योंकि वहां की परिस्थितियां भी अक्सर तेज गेंदबाजों के लिए मददगार साबित होती हैं।

अंडर-15 में सेंट माइकल्स और सिली पॉइंट विजयी, अंडर-22 में सीहोर को बढ़त

भोपाल. भोपाल संभाग क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिताओं में रविवार को तीन मुकाबले खेले गए। अंडर-15 इंटर क्लब के दो मैचों में सेंट माइकल्स और सिली पॉइंट ने जीत दर्ज की, जबकि अंडर-22 मुकाबले में सीहोर ने विदिशा के खिलाफ पहली पारी में बढ़त हासिल की।

फैथ ग्राउंड पर खेले गए अंडर-15 मुकाबले में कैप ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16.1 ओवर में 39 रन बनाए। सेंट माइकल्स के शफी बानी ने 18 रन देकर छह विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। युग सिंह ने दो विकेट हासिल किए। जवाब में सेंट माइकल्स ने 21.4 ओवर में एक विकेट पर 40 रन बनाकर नौ विकेट से जीत दर्ज की। कसान मानवेंद्र सिंह ने 15 और मोहम्मद उमैद ने नाबाद 19 रन बनाए। डीपीएस नीलबड़ मैदान पर सिली पॉइंट ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 177 रन बनाए। कसान युग रघुवंशी ने 94 गेंदों में 73 रन की पारी खेली। जवाब में अकरीा की टीम 118 रन पर सिमट गई। उत्सव पंवार ने 24 और वंश मानवानी ने 20 रन बनाए। सिली पॉइंट ने यह मुकाबला 59 रन से जीता। सारथ सोंदिया, विवेक द्विवेदी, कार्तिकेय शर्मा और नकुल शर्मा ने दो-दो विकेट लिए। सीहोर के शुगर फैक्ट्री मैदान पर अंडर-22 मुकाबले में विदिशा की टीम 41.3 ओवर में 52 रन पर आउट हुई। सीहोर के आर्यवर्धन ने आठ ओवर में पांच मेडन रखते हुए चार रन देकर पांच विकेट लिए। जवाब में सीहोर ने पांच विकेट पर 124 रन बनाकर 72 रन की बढ़त हासिल की। आनंद मेवाड़ा 35 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि राजवीर साहू ने 24 रन बनाए। विदिशा के रणविजय सिसोदिया ने चार विकेट लिए।

नईदुनिया

स्टेन से मिली सराहना से मुझे बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली : जानसेन

जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए आलराउंडर मार्को जानसेन ने हाल ही में विश्व क्रिकेट के महानतम तेज गेंदबाजों में से एक रहे डेल स्टेन द्वारा उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर कहे जाने पर अपनी खुशी जताते हुए कहा है कि स्टेन जैसे गेंदबाज से प्रशंसा पाकर वह और बेहतर प्रदर्शन को प्रेरित हुए हैं। जानसेन ने यह स्वीकार किया कि इस तरह की बातें सुनना अच्छा लगता है, खासकर जब यह प्रशंसा किसी ऐसे दिग्गज खिलाड़ी से मिली हो जिसका उन्होंने खुद भी सम्मान किया हो। उन्होंने बताया कि वह अक्सर इस बारे में सोचते रहते हैं कि एक खिलाड़ी के तौर पर वह अपने को कैसे और बेहतर बना सकते हैं और इस तारीफ ने उन्हें अपनी क्षमताओं पर और अधिक विश्वास दिलाकर इस दिशा में

आगे बढ़ने के लिए और अधिक प्रेरित किया है।

गौरतब है कि जानसेन, जो अपनी तेज गति से गेंदबाजी, स्विंग कराने की क्षमता, और निचले क्रम में बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाते हैं, ने बहुत कम समय में ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनकी प्रतिभा और हरफनमौला खेल का नतीजा है कि डेल स्टेन जैसे अनुभवी खिलाड़ी ने उन पर इतना बड़ा दांव लगाया है। स्टेन की यह टिप्पणी न केवल जानसेन की वर्तमान क्षमता को दर्शाती है, बल्कि उनके भविष्य की असीमित संभावनाओं की ओर भी इशारा करती है।

स्टेन की इस तारीफ पर बात करते हुए जानसेन ने अपनी आंतरिक दुनिया का खुलासा करते हुए बताया कि उनका मस्तिष्क अक्सर

एक असामान्य तरीके से काम करता है। उन्होंने कहा, कभी-कभी मेरा दिमाग थोड़ा अजीब तरह से काम करता है। मैं देर रात तक बैठा रहता हूँ और सोचता हूँ कि मैं कैसे खेलना चाहता हूँ और एक क्रिकेटर के तौर पर कैसा बनना चाहता हूँ। यह दिखाता है कि जानसेन केवल शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि मानसिक और दार्शनिक स्तर पर भी अपने खेल को लेकर कितने गंभीर हैं। वे निरंतर आत्म-मंथन करते हैं और अपने प्रदर्शन के हर पहलू को गहराई से परखते हैं।

जानसेन के लिए ये सिर्फ खेल की रणनीति या तकनीकी बारीकियाँ तक सीमित प्रश्न नहीं होते, बल्कि ये बहुत गहरे और मुश्किल सवाल हैं जो वे खुद से पूछते हैं। ये सवाल उनकी मानसिक दृढ़ता, दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता और लगातार विकास की अदम्य इच्छा

को दर्शाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के उच्च-स्तरीय दबाव में, जहां हर मैच और हर गेंद पर कड़ी नजर रखी जाती है, ऐसे में एक खिलाड़ी का खुद से इतने गहन प्रश्न पूछना और उनके जवाब तलाशना उसकी परिपक्वता और सीखने की ललक को प्रदर्शित करता है। वह निरंतर अभ्यास, खेल का विश्लेषण और आत्म-चिंतन के माध्यम से खुद को ताराशते रहते हैं। लेकिन इन सभी विचारों के केंद्र में जानसेन का एक ही उद्देश्य है: एक ऐसा खिलाड़ी बनना जिस पर टीम ऑख मूँद कर भरोसा कर सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिन के आखिर में, मैं बस एक ऐसा खिलाड़ी बनना चाहता हूँ जिस पर टीम भरोसा कर सके। खासकर मुश्किल या कठिन पलों में। यह इच्छा किसी भी पेशेवर खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है।

एक समय क्रिकेट छोड़कर कनाडा जाना चाहते थे नमन



मुम्बई

उभरते हुए क्रिकेटर नमन धीर आज भारतीय टी20 टीम के साथ ही न्यूजीलैंड दौरे पर हैं जिसमें उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। वहीं कुछ समय पहले वह टीम में जगह नहीं मिलने से निराश थे और यहां तक कि क्रिकेट छोड़ने और बेहतर भविष्य के लिए कनाडा जाने तक की योजना बना रहे थे। ये बात नमन के बचपन के दोस्त और पंजाब के क्रिकेटर सहज धवन ने कही। सहज के अनुसार साल 2021 में पंजाब के चयनकर्ताओं से लगातार मिल रही अनदेखी के बाद नमन ने अपनी बहन के पास कनाडा जाने का फैसला कर लिया था।तब उस कठिन दौर में नमन के पिता और उनके कोच नमन सिद्धू ने उन्हें समझाया। दोनों ने नमन को कम से कम एक साल और क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित किया। इस सलाह ने नमन को एक बार फिर मैदान पर लौटने और कड़ी मेहनत जारी रखने का हौसला दिया, और यहीं से उनकी किस्मत पलट गयी।

सहज धवन ने नमन को सबसे बड़ी खुबी के बारे में भी बताया कि वह हमेशा चयनकर्ताओं की जरूरतों को समझने की कोशिश करते थे। वह देखते थे कि किस बल्लेबाजी क्रम का पर टीम को खिलाड़ियों की जरूरत है और उसी के अनुसार अपने खेल को ढालने के लिए तैयार रहते थे। विभिन्न क्रमों पर बल्लेबाजी करने की यह अद्भुत क्षमता आगे चलकर

उनके बहुत काम आई। इसी प्रतिभा को पहचानते हुए मुंबई इंडियंस ने 2024 के आईपीएल मेगा आक्शन में नमन को 5.25 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत पर खरीदा था। टीम ने उनके लिए राइट टू मैच कार्ड के इस्तेमाल की संभावना भी जताई थी, जो उनकी उच्च उपयोगिता और टीम के लिए उनके महत्व को दर्शाता है।

भारतीय टीम में जगह बनाने से पहले नमन ने घरेलू टी20 लीग्स में अपनी धाक जमाई। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में अमृतसर सूरमास की तरफ से खेलते हुए उन्होंने महज 10 मैचों में 655 रन का अंबार लगा दिया।उनका स्ट्राइक रेट 217.61 का था और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 173 रन रहा। इस शानदार प्रदर्शन ने उन्हें राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की नजरों में ला दिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल में उनका डेब्यू हुआ। इस मैच में नमन ने सिर्फ 15 गेंदों पर नाबाद 42 रन बनाकर अपनी काबिलियत साबित की, जिसमें 5 चौंके और 2 छक्के शामिल थे।सहज धवन के पास नमन के अच्छे प्रदर्शन के लिए एक खास टोटका भी है। उनके मुताबिक, जब भी वह नमन को मैच से पहले शुभकामनाओं का संदेश भेजते हैं, तो उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहता है। यही वजह है कि सहज ने इस परंपरा को जारी रखने का फैसला किया है, ताकि नमन मैदान पर अपना जलवा बिखेरते रहें।

एशियन पैरा गेम्स में भारत का रिकार्डतोड़ प्रदर्शन, प्रधानमंत्री मोदी बोले– देश के लिए गर्व का पल

नई दिल्ली

जापान के आइची-नागोया में हुए एशियन

पैरा गेम्स 2026 में भारतीय पैरा

खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए

देश को गौरवान्वित किया। भारत ने

प्रतियोगिता में कुल 114 पदक जीतकर

अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज

किया। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए

इसे पूरे देश के लिए गर्व और

खुशी का अवसर बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि अभी संपन्न हुए एशियन पैरा गेम्स 2026 में हमारे पैरा खिलाड़ियों ने क्या ही शानदार उपलब्धि हासिल की है। रिकार्ड 114 पदकों के साथ, यह इन खेलों में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह पूरे देश के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का अवसर है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि मैं हमारे दल के प्रत्येक सदस्य को उनके असाधारण दृढ़ संकल्प



के लिए बधाई देता हूं। हर एथलीट ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि में अपना योगदान दिया है और अपनी सफलताओं से अनगिनत भारतीयों को प्रेरित किया है।

भारत ने समाप्त हुए एशियन पैरा गेम्स 2026 में 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदक सहित कुल 114 पदक अपने नाम किए।

भारतीय दल ने इस बार पिछले संस्करण के पदक रिकार्ड को भी पीछे छोड़ दिया। पिछले संस्करण में भारत ने 108 पदक हासिल किए थे,

जिनमें 27 स्वर्ण, 32 रजत और 49 कांस्य पदक शामिल थे।

एशियन पैरा गेम्स 2026 में 114 पदकों की उपलब्धि भारतीय पैरा खेलों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदकों के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने न केवल अपना पिछला रिकार्ड तोड़ा, बल्कि देश में पैरा खेलों की बढ़ती ताकत और खिलाड़ियों के समर्पण को भी प्रदर्शित किया।

सिंगापुर की ओर से अर्थी सेल्वन ने सर्वाधिक पांच रेट पाइंट बनाए। वहीं, आनंदराजन सिंघिनी और एम. विश्वलाह देवी ने चार-चार अंक हासिल किए।सिंगापुर की टीम ने 16 रेट पाइंट तो जुटाए, लेकिन भारतीय टीम के खिलाफ एक भी सफल टैकल नहीं कर सकी।

पहली कामनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष और महिला टीमों की जीत ने टूर्नामेंट में उनकी मजबूत शुरुआत को दर्शाया है। अब भारतीय महिला टीम आज शाम 6:45 बजे युगांडा के खिलाफ अगला मुकाबला खेलेंगी। वहीं, भारतीय पुरुष टीम रात 8:00 बजे मलेशिया से भिड़ेगी। दोनों मुकाबलों में भारतीय टीमों की नजरें जीत के सिलसिले को बरकरार रखने पर होंगी।

मुम्बई

एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में

लक्ष्य का पीछा कुछ ऐसे अद्भुत

मुकाबले भी हुए हैं, जहां टीमों ने

असंभव को संभव कर दिखाया है।

ये ऐसे ऐतिहासिक मैच हैं जिन्होंने

क्रिकेट प्रेमियों को रोमांचित किया

है। इस दौरान बने कुछ रिकार्ड

आज दो दशक के बाद भी बरकरार

हैं। ऐसा ही एक रिकार्ड साल 2006

में यहां के वॉडर्स स्टेडियम में

बना। तब आस्ट्रेलिया ने पहले

बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50

ओवरों में 434 रनों का विशाल

स्कोर बनाया था।

उस समय 400 का स्कोर पार करना भी अकल्पनीय माना जाता था, और 435 का लक्ष्य तो असंभव सा था पर दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ग्रीम स्मिथ और हर्शल गिम्ब के इरादे कुछ और ही थे। गिम्ब ने

तूफानी पारी खेलते हुए आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। यह मैच आखिरी ओवर तक खिंचा और रोमांच अपनी चरम सीमा पर था, जब दक्षिण अफ्रीका ने 49.5 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 438 रन बनाकर इतिहास रच दिया। 8.78 के रन रेट से हासिल किया गया यह लक्ष्य आज भी एकदिवसी क्रिकेट का सबसे महान रन चेज और विश्व कीर्तिमान माना जाता है, जिसे 20 साल बाद भी कोई टीम तोड़ नहीं पाई है।

इस विश्व कीर्तिमान के बाद भी, हाल के वर्षों में ऐसे कई मुकाबले देखने को मिले हैं जिन्होंने दर्शकों को हैरान कर

दिया। रावलपिंडी में 22 अक्टूबर 2026 को श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए एकदिवसीय इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बना डाला। इंग्लैंड द्वारा दिए गए चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने मैदान के चारों ओर चौकों-छक्कों की बारिश कर दी और 8.62 के प्रभावशाली रन रेट से बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 430 रन बनाकर यह रोमांचक मुकाबला अपने नाम किया

लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़े स्कोरों में भारतीय धरती पर खेला गया एक महामुकाबला भी शामिल है। साल 2009 में राजकोट में भारत और श्रीलंका के बीच एक ऐसा मैच खेला गया जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 414 रन बना दिये थे। इसके बाद 415



नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हाकी टीम ने हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर 2028 लांस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अब भारतीय टीम का लक्ष्य लांस एंजिल्स में पदक जीतना रहेगा हालांकि ये इतना आसान नहीं है। इसके लिए भारतीय टीम को अपनी रणनीति को और बेहतर बनाना होगा। ये सही है कि भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में एशिया में अपनी श्रेष्ठता को बार-बार साबित किया है, लेकिन जब बात दुनिया की शीर्ष टीमों से मुकाबले की आती है, तो उसका प्रदर्शन कई बार लड़खड़ा गया है। कसान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपने एशियाई दबदबे को वैश्विक मंच पर सफलता में बदलने की है। लांस एंजिल्स ओलंपिक 2028 को लक्ष्य में रखते हुए, हाकी इंडिया को अपनी तैयारियों और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की रणनीति पर गंभीरता से पुनर्विचार करना होगा और एक समग्र तथा आक्रामक खाका तैयार करना होगा। भारत का एशिया में वर्चस्व बना हुआ है, लेकिन उसकी असली और कठिन परीक्षा हमेशा विश्व कप और ओलंपिक जैसे बड़े मंचों पर ही होती है। 2028 ओलंपिक तक पहुंचने वाले हर प्रशिक्षण सत्र, हर टेस्ट सीरीज और प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय मुकाबले का एकमात्र उद्देश्य भारतीय टीम को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ हाकी खेलने वाली टीमों के स्तर तक पहुंचाना होना चाहिए।

अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद स्थित वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित पहली कामनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में भारतीय पुरुष और महिला कबड्डी टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष टीम ने युगांडा को 44-30 से हराया, जबकि महिला टीम ने सिंगापुर के खिलाफ 32-16 से जीत दर्ज की।

भारत ने युगांडा पर 14 पाइंट की जीत हासिल करने के लिए शानदार आल-राउंड प्रदर्शन किया। शिवम पटारे ने आठ पाइंट के साथ रेडिंग डिपार्टमेंट को लीड किया, जिसमें छह टच पाइंट और दो बोनस पाइंट शामिल थे। नवीन कुमार और भरत ने छह-छह रेड पाइंट दिए, जबकि आदित्य शिंदे ने चार पाइंट जोड़े। भारतीय टीम ने मुकाबले में 27 रेट पाइंट, 11 टैकल पाइंट और आलआउट

से छह अंक हासिल किए। डिफेंस में अजीत पवार ने तीन टैकल पाइंट अर्जित किए। वहीं, नितेश, योगेश दहिया और दीपक एस ने दो-दो टैकल पाइंट हासिल किए।

युगांडा की ओर से मुल्लैरे डगलस नौ रेट पाइंट के साथ टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। ओकिडी कानोल्ड और सेंगेडो ज़िमी ने पांच-पांच अंक जुटाए। युगांडा ने रेडिंग में भारत के बराबर 27 अंक हासिल किए, लेकिन डिफेंस में कमजोर प्रदर्शन के कारण उसे हार का सामना करना पड़ा।

इस बीच, भारतीय महिला टीम ने भी अपने मुकाबले में शानदार खेल दिखाते हुए सिंगापुर को 16 अंकों के अंतर से हराया। भारत की ओर से साक्षी ने छह रेड पाइंट हासिल किए, जबकि रेणुका और अनु ने चार-चार रेड पाइंट्स जोड़े। निधि शर्मा ने टीम के खाते में तीन पाइंट का



योगदान दिया।

भारतीय महिला टीम ने कुल 19 रेट पाइंट, नौ टैकल पाइंट और आलआउट

से चार अंक अर्जित किए। डिफेंस में सुमन ने चार टैकल पाइंट हासिल कर अहम भूमिका निभाई, जबकि मुकान

शर्मा ने दो टैकल पाइंट जुटाए। रिया कुमारी, सबाही गढ़वी और रितु ने एक-एक टैकल पाइंट हासिल किया।